पाठ 12. कदंब का पेड़

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। बच्चे और माँ का रिश्ता दुनिया का सबसे अधिक प्राकृतिक और स्नेह-दुलार से नहाया हुआ रिश्ता है। सुभद्रा कुमारी चौहान के बालमन ने यमुना के किनारे कदंब के पेड़ के ऊपर-नीचे बाँसुरी बजाने की चाहत लिए कान्हा की तरह कुछ पल जीने का मन बनाया है। कविता में वात्सल्य रस अपनी चरम सीमा पर है। यह कविता बचपन के नटखटपन के साथ-साथ माँ की ममता को भी दर्शाता है।

पाठ का सार

इस कविता का पात्र एक बालक है जो चाहता है कि उसके घर के पास वाला कदंब का पेड़ यमुना नदी के किनारे होता तो कितना अच्छा होता। वह पेड़ की डाली पर बैठकर बाँसुरी बजाना चाहता है। बाँसुरी के स्वर में बच्चा माँ को पुकारना चाहता है। माँ पास आ जाए तो चुप होकर, माँ की परेशानी बढ़ाकर माँ को रिझाना चाहता है। माँ की बच्चे को लेकर, उसकी सुरक्षा को लेकर जो चिंताएँ हैं वे इस रिश्ते की कोमल परतों को और भी सुंदरता के साथ खोलती चली जाती हैं। माँ का वात्सल्य-भाव बच्चे को मनाने के लिए कौन-से प्रलोभन नहीं देता? माखन-मिसरी, दूध-मलाई के स्वाद से मीठी होती यह कविता सीधे मन की गहराइयों में उतरती है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का मुखर वाचन लय में करवाएँ। बच्चों को श्रीकृष्ण के बचपन की बातें बताएँ। श्रीकृष्ण भी यमुना के किनारे कदंब के पेड़ पर चढ़कर बैठ जाते थे और बाँसुरी की तान छेड़ा करते थे। इस कविता के पात्र के बारे में बताते हुए श्रीकृष्ण के उस संदर्भ को ज़रूर जोड़ें। माँ की ममता और वात्सल्य-प्रेम की चर्चा बच्चों से करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - **का/की** का संबंध शब्द लिंग से है और **का/के** का संबंध वचन से है। बच्चों को **का/की/के** के बाद वाले शब्द के लिंग व वचन की पहचान करने को कहें। उसी के अनुसार वे रिक्त स्थान में **का/की/के** भरेंगे।
  - युग्म शब्द दो शब्दों का जोड़ा होता है जिनके बीच योजक (–) चिह्न लगा होता है। बच्चों को भिन्न-भिन्न प्रकार के युग्म शब्दों के निर्माण के बारे में उदाहरण देकर बताएँ। जैसे–समान शब्दों को दो बार लिखने से बने युग्म शब्द, असमान भाव वाले शब्दों के मेल से बने युग्म शब्द, समान भाव वाले शब्दों के मेल से बने शब्द, सार्थक व निरर्थक शब्दों के मेल से बने शब्द।
  - समानार्थी शब्दों से बच्चे परिचित हैं ही। यदि बच्चे किसी शब्द के दो से अधिक समानार्थी शब्द जानते हों तो उन्हें बताने के लिए प्रोत्साहन दें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - ❖ श्रीकृष्ण की जीवनी से संबंधित पुस्तकें बच्चों को उपलब्ध कराएँ।
  - ❖ जल प्रदूषण की समस्या से बच्चों को अवगत कराएँ।